Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 06-03-2006

Participants : Munshiram Shri

Title : Need to create Special Economic Zones for the development and promotion of handloom industry.

श्री मुंशी राम (बिजनौर) : महोदय, देश ने विकास की गति की चिंता तो की, किंतु विकास के बंटवारे की अनदेखी के परिणाम सामने हैं - गत वर्षो में वार्षिक विकास की दर लगातार बढने के बावजूद आर्थिक तंगी और उससे विवश होकर आत्महत्यायें। देश में 92 प्रतिशत अकुशल और प्रशिक्षित श्रम है और इसके लिए कृषि, कपड़ा, पशुपालन जैसे पारंपरिक उद्योग ही हैं, जहां इनसे श्रमिक को रोजगार मिल सकेगा। दुर्भाग्य से देश में इन उद्योगों की उपेक्षा हुयी है। कपड़ा उद्योग में 36000 लाख मीटर तक उत्पादन हुआ है और प्रत्यक्ष 75 लाख लोगों को रोजगार मिला है, किंतु इसमें धीरे धीरे ह्रास हुआ है। आज उत्पादन सीमित होकर रह गया है । बुनकर बेरोजगार बने गये हैं। Sकपड़ा उद्योग में हथकरघा उद्योग की समस्या है, इसका उत्पाद न बिकना, उसे कच्चे माल का उपलब्ध न हो पाना, उसे समय पर आर्थिक सहायता न मिल पाना। मेरा सुझाव है कि हथकरघा उद्योग की इन समस्याओं का हल स्पेशल आर्थिक जोनों की तर्ज पर विकसित करने से संभव है। स्पेशल आर्थिक जोनों के माध्यम से हथकरघा उद्योग को जहां आर्थिक सुविधायें प्राप्त होंगी, कच्चे माल की भी उपलब्धि होगी और उत्पादों के विक्रय के लिए बाजार भी बनेगा। अतः सदन के माध्यम से सरकार से मेरा अनुरोध है कि वह तत्काल इस ओर ध्यान केन्द्रित करें और देश के करोड़ों बेरोजगारों को रोजगार के लाभकारी अवसर उपलब्ध कराने में मदद करें।

.....

… (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Now, Supplementary List of Business -- Mr. Finance Minister.

… (*Interruptions*)